नास्टमा कम्प्युटर इन्जिनियरिङ, बिसिएस, बिबिएस र सिभिल इन्जिनियरिङका साथै अब MBA पनि ।

नास्ट कलेज

धनगढी-४, उत्तरबेहडी, कैलाली
सम्पर्क नं. ०९१-५२३३१२
९८५८४८७१२५

थारु भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक

भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २२ अंक २५६ वि.सं. २०८१ चैत २५ गते सोम्मार थारु सम्वत (२६४८) [Monday 07 April 2025] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

स्वस्तिकसे क्याथ ल्याब ओ आईभीएफ सेवा डेना तयारी

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २४ चैत । कैलालीके धनगढीस्थित स्वस्तिक अस्पतालसे क्याथ ल्याब ओ आइभीएफ सेवा डेना तयारी सुरु करले बा ।

अँट्वारके अस्पतालसे आयोजना करल पत्रकार बीच अन्तरक्रिया कार्यक्रममे अस्पतालके अध्यक्ष दिपेन्द्रप्रसाद तिवारी उ सेवाबारे जानकारी डेहल हुइट ।

पन्ध्र शैय्यामे सञ्चालन हुइटी आइल अस्पतालहे लावा व्यवस्थापन सहित एकसय शैय्यामे विस्तार कैटी उहाँ अस्पतालसे हाली थप सेवा क्याथ ल्याब ओ आइभीएफ सेवा डेना जानकारी कराइल हुइट । अस्पतालसे मुटुके बिरामीके लाग लक्षित कैटी पहिलचो क्याथ ल्याब सेवा सञ्चालनमे लानक लाग तयारीमे जुटल हो ।

उहाँ कहलै, 'मुटुके बिरामीके लाग अति आवश्यक पर्ना हुइल ओरसे अस्पतालसे क्याथ ल्याब सञ्चालन कैना तयारीमे रहल बा, इहीसे सुदूरपश्चिमके मुटु सम्बन्धी रोगके बिरामीहे उपचारमे

सहजता हुइना बा ।'

अस्पतालमे मुटुके उपचारके लाग आइल बिरामीहे क्याथ ल्याब नैहो कहटी बाहर अस्पतालमे पठाइ पर्ना अवस्था हुइल ओरसे अस्पतालमे सेवा विस्तार करे लागल औरे सञ्चालक श्याम भट्ट बटैलै ।

उहाँ अस्तालमे क्याथ ल्याब हुइलपाछे मुटुके बिरामीहे सहज रुपमे सेवा डेहे सेक्ना बटैलै । क्याथ ल्याब सेवा नैहोके यहाँके बिरामीहे काठमाण्डौं लगायतके अस्पतालमे रेफर करे पर्ना बाध्यता रहल अस्ताल जनैले बा ।

ओस्टके निःसन्तान दम्पतीके लाग अस्पतालसे आईभीएफ केन्द्र सञ्चालन कैना जनैले बा । विगतमे आईभीएफ शिविर सञ्चालन कैटी आइल अस्पतालसे पुर्णकालिन आईभीएफ केन्द्र सञ्चालन करे लागल हो । जौन सुदरपश्चिममे पहिल रहना अस्पतालके दाबी रहल बा ।

अस्पतालसे अठबे २४ घण्टै इमर्जेन्सी सेवा, जनरल मेडिसिन विशेषज्ञ सेवा, महिला तथा प्रसूति रोग विशेषज्ञ सेवा, हाडजोर्नी, मेरुदण्ड तथा नशा रोग विशेषज्ञ सेवा, छाला तथा सौन्दर्य रोग विशेषज्ञ सेवा, मुटुरोग विशेषज्ञ सेवा, रेडियोलोजी विशेषज्ञ सेवा, नाक, कान, घाटी रोग विशेषज्ञ सेवा, डेन्टल केयर विशेषज्ञ सेवा, फिजियोथेरापी सेवा, प्रयोगशाला, एक्सरे तथा अल्ट्रासाउण्ड सेवा, जनरल तथा ल्याप्रोस्कोपी सर्जरी विशेषज्ञ सेवा, युरो सर्जरी विशेषज्ञ सेवा, न्युरो सर्जरी विशेषज्ञ सेवा उपलब्ध रहल उहाँ बटैलै ।

ओहकान अनुसार अस्पतालभित्रे उच्चस्तरीय प्रविधि जडित शल्यक्रिया कक्ष, आईसीयू, एनआईसीयू तथा प्रसूति कक्षके व्यवस्था करल बा । गुणस्तरीय औषधि ओ अनुभवी फर्मासिस्ट सहितके फार्मेसीके व्यवस्था, सेवाग्राहीके सहजताके लाग मौसमअनुसार आवश्यक सक्कु स्थानमे एसी जडित सरचना ओ स्तरीय एम्बुलेन्सके व्यवस्था अस्पतालसे करल उहाँ बटैलै । ओकर उहाँ लाग अस्पतालमे पूर्णकालीन ओ आशिक कैके चिकित्सकीय जनशक्ति २४ सै घण्टा उपलव्ध रहल बटैलै ।

अस्पतालमे सुदूरपश्चिम प्रदेश भरके सरकारी तथा निजी अस्पताल मध्ये पहिल मोडुलर ओटी रहल उहाँ बटैलै । जौन ९९ प्रतिशत संक्रमणरहित रहल जनाइल बावै । *(बाँकी ४ पेजमे)*

विसु पर्वके अवसरमे सुदूरपश्चिममे चहलपहल बहुल

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २४ चैत । विसु पर्व आइलसँगे सुदूरपश्चिममे चहलपहल फेन बहुल बा । घर लिपपोतसे लेके रोजगारी, शिक्षालगायतके प्रयोजनके लाग बाहेर रहलहुक्के घर अइना क्रम बहैल हो ।

विसु पर्व सुदूरपश्चिमेली धुमधामसँग मनैठैं । विसु पर्व अइनापहिले सुदूर पहाडके घर लाल माटि ओ कमेरो माटिसे रंगे लागल बा । नयाँ वर्ष अइनासे पहिले घर लिपपोत कैके वर्षभर सुख, शान्ति ओ समृद्धि कायम हुइठ कना जनविश्वास रहल पण्डित करुणाकर अवस्थी बटैलैं ।

चैत सुरु हुइलेसे घर निप्ना ओ पोत्ना काम सुरु हुइठ कलेसे यी काम चैत महिनामे ओरवाइ परठ ।

पाटन नगरपालिका-१० के सीता भट्ट लगभग तीन घण्टा नेंगके कमेरो ओ लालमाटि नान्के घर लिपल बटैलि । पाछेक समयमे घर निर्माणमे सिमेन्टके प्रयोग बहुल पाछे कमेरो ओ लालमाटिक प्रयोग फेन घटल उहाँक कहाइ बा ।

चैत सुरु हुइलपाछे घर लिपपोत करेक लाग टमान डुरसम कमेरो ओ लालमाटि लेहे जैना करल पाटन-८ के लक्ष्मी भट्ट बटैलि । 'बरु बडादसैंके बेलामे खास लिपपोत नैकरठि, मने चैतमे टे जैसिक फेन लिपे परठ । कमेरोसे घरेक उप्रेक भाग ओ लालमाटिसे घरेक टरेक भागमे लिप्ना पोत्ना चलन बा,' भट्ट कलैं, 'आब यी चलन कम हुइ जस्टे बा, टमानजैसिन पुरान घरमे लगाइल माटि उप्काके सिमेन्ट लगैले बटैं ।'

नयाँ वर्ष तथा विसु पर्वमे भारत गैल घर जैना चलन बा । उहाँहुकनके आगमनसे गाउँमे चहलपहल बहलेसे फेन उहाँ बटैलैं । विसु पर्वके अवसरमे भोज करल छाइचेलीसमेत लैहर जैना चलन फेन बा ।

विसु तिहारके दिन कूलदेवताके पूजा कैके 'गतानी डुब्का' (स्थानीय खानाके परिकार) खैना चलन बा । विसु पर्वके अवसरमे सुदूरपश्चिमके डोटी, दार्चुला, अछाम, डडेल्धुरा, बझाङ, बाजुरा, बैतडी, कैलाली ओ कञ्चनपुर जिल्लामे बसोबास करटि रहल पहाडी समुदाय सिस्नु लगैना प्रचलन फेन बा ।

सुदूरपश्चिमके लाग १७ लाख १६ हजार थान किताब

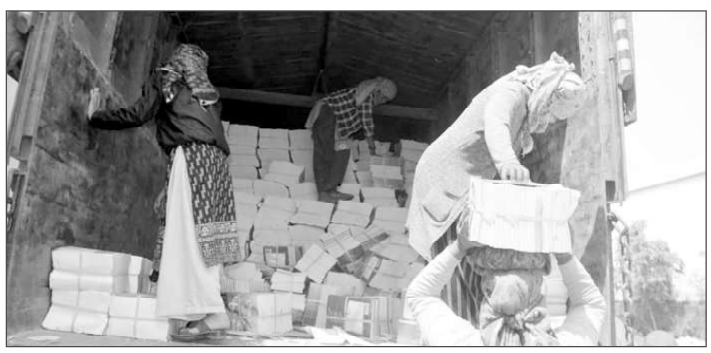

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २४ चैत । लावा शैक्षिक सत्रके लाग सुदूरपश्चिम प्रदेशमे १७ लाख १६ हजार थान किताब धनगढी आइल बावै ।

जनक शिक्षा सामग्री केन्द्रसे शैक्षिक सत्र २०८२ के लाग आवश्यक किताब धनगढी पठाइल हो ।

सुदूरपश्चिम प्रदेशके नौ जिल्लाके सामुदायिक विद्यालयके विद्यार्थीनके लाग १८ लाख १७ हजार थान किताब आवश्यक पर्ना अनुमान करल बा । शनिच्चरसम १७ लाख १६ हजार थान किताब धनगढी पुगल बा । जनक शिक्षा सामाग्री केन्द्रसे शनिच्चरके किल थप २ गाडी छापाखानासे धनगढीके लाग पठाइल बा । काठमाडौंसे नेंगल गाडी धनगढी पुगलपाछे माग अनुसारके किताब ढुवानीके काम पूरा हुइना जनक शिक्षा सामाग्री केन्द्र, प्रादेशिक कार्यालय, धनगढी जनैले बावै ।

जनक शिक्षा सामाग्री केन्द्र, धनगढीसे किताब *(बाँकी २ पेजमे)*

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

डा. सुमन चौधरी
MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म

धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

मौसमी फ्लु रोकथामका उपाय ।

- बिरामी भएका व्यक्तिसँग भौतिक दूरी कायम गरौं,
- खोक्दा हाच्छिउँ गर्दा मुख र नाक छोपौं,
- शारीरिक रुपमा सक्रिय बनौं र पौष्टिक खाना खाऔं,
- बिरामी हुँदा सम्भव भएसम्म घरमै बसौं,
- समयसमयमा साबुनपानीले हात धुऔं,
- स्यानिटाइजरको प्रयोग गरौं,
- आँखा, नाक, मुख छोईरहने बानी नगरौं ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : राम दहित (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी
पहुना सम्पादक : कृष्णराज सर्वहारी
कानूनी सल्लाहकार : अधिवक्ता जोहारीलाल चौधरी
व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८७१२६४१६०१)
हसुलिया शाखा: नरेन्द्र चौधरी (९८४८५४३०३६)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)
प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

शिक्षक महासंघसे आम शैक्षिक हड्ताल घोषणा

काठमाडौं, २४ चैत । काठमाडौं केन्द्रित आन्दोलन करटी रहल शिक्षकहुके आम शैक्षिक हड्ताल घोषणा करले बाटै । नेपाल शिक्षक महासंघके नेतृत्वमे चैत २५ गतेसे शैक्षिक हड्ताल घोषणा करल हो ।

महासंघके अध्यक्ष लक्ष्मीकिशोर सुवेदी ओ महासचिव तुलाबहादुर थापा देशभरके सक्कु विद्यालयहे बन्द कैके काठमाडौंके सडक आन्दोलनमे अनिवार्य सहभागी हुइना आह्वान करले बाटै ।

गुणस्तरीय विद्यालय शिक्षा, विद्यार्थी ओ शिक्षक-कर्मचारी मैत्री विद्यालय शिक्षा ऐन जारी करे पर्ना माग रख्टी महासंघके नेतृत्वमे देशभरके शिक्षक २०८१ माघ २० गतेसे निरन्तर आन्दोलनरत बाटै ।

यीहे क्रममे उहाँहुके चैत २० गतेसे काठमाडौंमे प्रदर्शन कैटी आइल बाटै । उहाँहुके इहीहे शिक्षा ऐन जारी करैना सवालमे 'अन्तिम ओ निर्णायक आन्दोलन' कहले बाटै ।

नेपाल शिक्षक महासंघके राष्ट्रिय समितिके विज्ञप्तिमे लिखल बावै, 'यी आन्दोलनहे सशक्त बनाइक लाग २०८१ चैत २५ गतेसे आम शैक्षिक हड्तालके घोषणा करल हो । आब देशभरके सक्कु विद्यालय बन्द कैके काठमाडौंके शैक्षिक सडक आन्दोलनमे सहभागी हुइना अनिवार्य सक्कु शिक्षक-कर्मचारी साथीहे आग्रह करटी ।'

महासंघसे आन्दोलनके अवधिभर उत्तर पुस्तिका परीक्षण, नतिजा प्रकाशन, तालिम गोष्ठी, सेमिनार, शैक्षिक भ्रमण जैसिन कौनो फेन काममे संलग्न नैहुइना फेन आग्रह करल बावै ।

सुदूरपश्चिके लाग...

बिक्री-वितरणके कामसमेत कैटी रहल बावै । छापाखानासे धनगढी आइल किताबहे चैत १७ गतेसे पहाडी जिल्लामे पठाइ लागल हो । जनक शिक्षा सामाग्री केन्द्र, धनगढीके प्रमुख रामविनय श्रेष्ठ बाजुरा जिल्लासे किताब वितरणके काम सुरु करल बटैले बाटै । उहाँ बाजुरा, दार्चुला, बझाङ ओ बैतडी जिल्लामे किताब पठाइल बटैलै । जनक शिक्षा सामाग्री केन्द्र, धनगढीसे बाजुराके लाग एक लाख नौ हजार २ सय ९६ थान, दार्चुलाके लाग ९५ हजार चार सय ६ थान, बझाङके लाग ७२ हजार पाँच सय ५० थान ओ बैतडीके लाग एक लाख एक हजार सात सय ७३ थान किताब पठाइल बावै । जनक शिक्षा सामाग्री केन्द्र, धनगढीसे शुकके रोजसम तीन लाख ७९ हजार २५ थान किताब पहाडी चार जिल्लाके लाग पठैले बावै । डोटी ओ अछामके लाग शनिच्चरके किताब पठाइल बावै ।

सुदूरपश्चिम प्रदेशमे सूचीकृत हुइल एक सय ९४ व्यापारी मार्फत जनक शिक्षा किताब बिक्री-वितरण सुरु करल हो । सुदूरपश्चिम प्रदेशमे लावा शैक्षिक सत्र २०८२ के लाग चैत २९ गतेसम जिल्लामे किताब पुगैना लक्ष्य जनक शिक्षा सामाग्रीके रहल बा । मने, स्थानीय तह तथा विद्यालयसे किताबके माग नैकरल ओरसे व्यापारीहे भर समस्या हुइल बा । विद्यालयके माग अनुसार व्यापारीहे जनक शिक्षासे किताब लेना करल बाटै । विद्यार्थीके संख्या नैआइल ओरसे व्यापारीहुके किताब ढुवानीमे समेत समय लगैटी रहल बाटै । नयाँ शैक्षिक सत्रके लाग कक्षा ९ के अर्थशास्त्र, ऐक्षिक गणित ओ कम्प्युटर विषय किल परिवर्तन हुइल बावै ।

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर

दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेन्के ।

सीप सिकी, स्वरोजगार बनी
विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहित...
हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्रनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।

नोट: साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुक्रनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।

धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनं. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सन्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपनेनके फे लिख्के पठाइ सेक्ठि । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पक्रि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ । *-सम्पादक*

साबुन पानीसे मिसमिस हात धुइलेसे
हेग्नीपोक्नी ओ अन्य सरुवा रोगसे बँचे सेक्जाईठ् ।

आर्थिक वृद्धि ओ मूल्यमे सन्तुलन

विचार
डा. चन्द्रमणि अधिकारी

अब्बे नेपाल सरकारके अर्थ मन्त्रालय तथा सम्बन्धित निकाय आर्थिक वर्ष २०८२/८३ के बजेट तर्जुमा प्रक्रियामे व्यस्त बा । बजेट एक राजनीतिक, संवैधानिक तथा आर्थिक ओ सामाजिक दस्ताबेज हो । विद्यमान विश्व अर्थराजनीतिक अवस्था ओ नेपालके अपन अर्थतन्त्रके चरित्रके विश्लेषणहे मध्यनजर कैके समृद्धिमुखी, नतिजामुखी, समाज प्रधान, सब दृष्टिसे सन्तुलित ओ कार्यान्वयन योग्य बजेट निर्माण करना चुनौतीपूर्ण कार्य हो । बजेट निर्माण करेबेर उच्च आर्थिक वृद्धि एक प्रमुख लक्ष हो कलेसे मुद्रास्फीतिहे फेन सन्तुलनमे ढरे परठ ।

नेपालसे लेहल आर्थिक सामाजिक बाटोमे परना बिसौनी ओ गन्तव्य हेरलेसे बजेट सर्वप्रथम टे अइना साल वा सन् २०२६ मे नेपाल विकासोन्मुख राष्ट्रमे स्तरोन्नति हुइलपाछे जुर्ना अवसरके उपयोग ओ अन्तर्राष्ट्रिय व्यापार तथा सहयोगके विषयमे डेखाइ सेक्ना चुनौतीके सामना करना रणनीति ओ कार्यक्रमआघे सारेपरना रहठ कलेसे सन् २०३० सममे दिगो विकासके लक्ष्य हासिल करना अपनहे मध्यम आय होके राष्ट्रके श्रेणीमे उभ्यइनाहे सहयोग पुगैना कार्यक्रमहे गति डेना फेन ओत्रे आवश्यक बा । यीबाहेक औरे गन्तव्य बा २०२१ सालसममे नेपालहे एक समृद्ध राष्ट्र बनैना । कौनो फेन देशसे अपन दीर्घकालीन गन्तव्य निर्धारण करना स्वाभाविक हो ।

नेपालसे आघे सारल पच्चीसबर्से दीर्घकालीन विकास रणनीतिसे सन् २०४३ सममे देशसे सब मेरिक विभेद, बहिष्करण ओ वञ्चितीकरण समाप्त कैके समाजवादउन्मुख समृद्ध अर्थव्यवस्थाके निर्माण करे सेक्ना गन्तव्य तोकल बा । पन्ध्रौं आवधिक योजनाके प्रारम्भ वर्ष २०७६ से आघे सारल मार्गचित्रके पहिल छ वर्ष बिटसेकल बा । दिगो विकास लक्ष हासिल कैके मध्यम आय रहल देशके श्रेणीमे जाइपरना समय फेन गुज्रेसेकल बा मने करेपरना काम टमान बाँकी बा । समृद्ध अर्थव्यवस्थाके परिकल्पना करेबेर पन्ध्रौं आवधिक योजना लागु कैके वार्षिक औसत ९.६ प्रतिशतके उच्च, फराकिलो ओ दिगो वृद्धि हासिल करना लक्ष्य निर्धारण करल रहे । विविध कारणसे उ लक्ष्य हासिल हुइ नैसेक्ना । उ अवधिमे औसत वृद्धि तीन प्रतिशतसे तल रहल । चालु आवमे आर्थिक वृद्धि पाँच प्रतिशतके हाराहारीमे रहना अनुमान बा ।

औरेओर विगतके दशकमे अभिन यी अवधिमे मूल्य वृद्धिसे आर्थिक वृद्धिहे उछिनल । औसत आर्थिक वृद्धि तीन प्रतिशतसे टरे होके मुद्रास्फीति दर पुगनैपुग छ प्रतिशत रहल । कुल गार्हस्थ उत्पादनसँग उपभोगके अनुपात बह्नि कलेसे बचत, लगानी ओ स्थिर पुँजी निर्माणके अनुपातके अंक घटल । यी अवस्थामे आब बाँकी अवधिमे विगतके क्षति वा अपुगहे कब, कैसिक ओ कहाँसे परिपूर्ति कैके आघे बह्नैना कना अहम् प्रश्न खडा हुइल बा ।

छिमेकी देश भारत फेन सन् २०४७ सममे देशहे आत्मनिर्भर ओ समृद्ध अर्थतन्त्रमे रूपान्तरण कैके विकसित भारतके गन्तव्यमे पुग्ना दूर दृष्टिकोण घोषणा करल बा । विकसित भारतके यी नीतिहे कार्यान्वयन करना संघीय बजेट २०२५ कृषि, साना तथा लघु उद्यम, लगानी अभिवृद्धि ओ निर्यातसमेतके क्षेत्रहे प्रमुख स्तम्भ घोषणा कैके कर, ऊर्जा, सहरी विकास, खानी, वित्तीय क्षेत्र ओ नियामक नीतिमे सुधार करना कार्यक्रम नानल बा । अइसिके नेपालसे रहे वा भारतसे दीर्घकालीन गन्तव्यमे पुग्ना निश्चित परिमाणके लगानी कैके बहुल क्षेत्रमे उन्नत प्रकृतिके रोजगारी ओ स्वरोजगारीके अवसर सिर्जना कैके समायोजनपाछे हुइना आर्थिक वृद्धिके दर यथार्थ रहठ । यी यर्थाथ वृद्धि कमजोर हुइना कलेक नागरिकके क्रयशक्ति कमजोर हुइना हो । यहाँ मारमे परना बाट का बा कलेसे नेपालके आर्थिक वृद्धिके दरहे मुद्रास्फीतिके दरसे उकाध वर्षबाहेक एकडम उछिन्ना करल बा । यिहिनसे मनैन्के क्रयशक्ति टे घटल बा राज्य ओ व्यक्ति दुनुके सम्पत्तिके यथार्थ मूल्य फेन घटल बा वा कुछ अवस्थामे स्थिर हुइल बा । यिहिनसे अर्थतन्त्रके प्रतिस्पर्धात्मक क्षमताहे कमजोर बनाइल बा, यकर प्रभाव सार्वजनिक ऋणके अंकमे देखा परल बा । गैल पाँच वर्ष आगेसम कुल गार्हस्थ उत्पादनके ४० प्रतिशत किल निश्चित विन्दुके वृद्धि हासिल करेपरना रहठ । भारतसे २०४७ सममे विकसित भारतके गन्तव्यमे पुग्न ओ बेरोजगारी दरहे पाँच प्रतिशतसे टरे झरना वार्षिक औसत आठ प्रतिशतके वृद्धि हासिल करेपरना अनुमान बा ।

> मुद्रास्फीति सीमाभित्तर नैरहि कलेसे ओकर असर बहुपक्षीय रहठ, क्रयशक्ति ओ उपभोग घटाइठ, यिहिनसे उत्पादनमे प्रतिकूल प्रभाव परठ । यद्यपि सब मुद्रास्फीति खराब नैरहठ ओ मध्यमस्तरके मुद्रास्फीति आर्थिक वृद्धिके लाग स्वस्थकर रहठ । ओइसिन सन्तुलित वृद्धि उबेला हासिल करे सेक्जाइठ उबेला समष्टिगत आर्थिक स्थायित्व, उत्पादनमे आधारित लगानी ओ खर्च हुइना मेरिक करल प्रबन्ध, मूल्य स्थायित्व, सुदृढ वित्तीय क्षेत्र, सुशासित तथा पारदर्शी प्रबन्ध ओ प्रणाली तथा सरकार एवं नागरिकके बिच सघन विश्वासके अवस्था बनठ । तसर्थ सरकारसे आगामी आवके बजेट तर्जुमा कैके प्रस्तुत अर्थ दर्शनहे पछ्यइना उपयुक्त रहठ । उपयुक्त अर्थ दर्शनके आधारमे बजेट निर्माण करेबेर आवश्यकता ओ प्राथमिकताके पहिचान करना ओ लगानीके ढाँचा बनैना सहजिल रहठ, जहाँ लगानीके ढाँचा उपयुक्त बनठ बजेटके कार्यनीति तर्जुमा करना ओ स्रोतके विनियोजन सही ठाउँमे करनामे कौनो अप्ठेरो नैपरठ ।

अइसिके नेपालसे रहे वा भारतसे दीर्घकालीन गन्तव्यमे पुग्ना निश्चित परिमाणके लगानी कैके बहुल क्षेत्रमे उन्नत प्रकृतिके रोजगारी ओ स्वरोजगारीके अवसर सिर्जना कैके समायोजनपाछे हुइना आर्थिक वृद्धिके दर यथार्थ रहठ । यी यर्थाथ वृद्धि कमजोर हुइना कलेक नागरिकके क्रयशक्ति कमजोर हुइना हो । यहाँ मारमे परना बाट का बा कलेसे नेपालके आर्थिक वृद्धिके दरहे मुद्रास्फीतिके दरसे उकाध वर्षबाहेक एकडम उछिन्ना करल बा । यिहिनसे मनैन्के क्रयशक्ति टे घटल बा राज्य ओ व्यक्ति दुनुके सम्पत्तिके यथार्थ मूल्य फेन घटल बा वा कुछ अवस्थामे स्थिर हुइल बा । यिहिनसे अर्थतन्त्रके प्रतिस्पर्धात्मक क्षमताहे कमजोर बनाइल बा, यकर प्रभाव सार्वजनिक ऋणके अंकमे देखा परल बा । गैल पाँच वर्ष आगेसम कुल गार्हस्थ उत्पादनके ४० प्रतिशत किल रहल सार्वजनिक ऋणके अनुपात अब्बे ४७ प्रतिशत पुगल बा । वार्षिक बजेटके झन्डे एक चौथाइ अंक साँवा ओ ब्याज भुक्तानीमे जैना अवस्था आइल बा, जबकि शिक्षामे ओ स्वास्थ्यमे विनियोजित रकम कुल बजेटके १५/१६ प्रतिशत किल रहठ ।

विश्वमे अब्बे सार्वजनिक ऋणके अंक ओ अनुपात बह्रल बा । सन् २०२४ के अन्तर्राष्ट्रिय मुद्राकोषके तथ्यांक केलैना विश्वके कुल गार्हस्थ उत्पादनसँग सार्वजनिक ऋणके अंश ९३ प्रतिशत पुगल बा । अन्कटांडके अनुसार विकासोन्मुख देशके लाग यी औसत अंक २०२१ मे ६० प्रतिशत पुगल बा, जबकि २०१० मे ३५ प्रतिशत रहे । मुद्राकोषके अनुसार विकासोन्मुख देशके ऋणसँग सम्बन्धित सेवा शुल्कसमेतके औसत खर्च अनुपात १० प्रतिशत बा कलेसे नेपालके उहिनसे ढेर बा । हुइना टे आर्थिक वृद्धि फराकिलो, दिगो ओ स्थायी प्रकृतिके बा कलेसे उबेला निश्चित प्रतिशतके मूल्यवृद्धि आवश्यक रहठ, अन्यथा लगानी निरुत्साहित हुइठ । जस्टे अब्बे जापान कम्तीमे फेन दुई प्रतिशतके मुद्रास्फीति कराके लगानीहे उत्प्रेरित कैके अर्थतन्त्रहे मन्दीसे उकस्ना नीति लेके आघे बह्रल बा । काहेकि मूल्य नाफासँग जोरल ओ जहाँ मूल्य बह्रैना, वहाँ नाफा हुइठ । यद्यपि सामान्य अवस्थामे मूल्य वृद्धिसे आर्थिक वृद्धिहे उछिने नैरहठ ।

नेपाल जैसिन देशके लाग अर्थिक वृद्धिके दर मूल्यवृद्धिके दरसे दोब्बर हुइ परठ । लगानी, उत्पादन, मूल्य ओ रोजगारी अन्तर्सम्बन्धित विषय हो । यी बाटके अवस्था ओ स्थितिसे आर्थिक वृद्धिके दर निर्धारण करठ । टबेमारे योजना तथा बजेट निर्माण ओ कार्यान्वयन करलेसे आर्थिक वृद्धि, मूल्य ओ मुद्रास्फीतिबिच उचित सन्तुलन हुइ परठ । अइसिन अवस्थाहे गोल्डिलक्स अर्थतन्त्र फेन कहिजाइठ यिहिनहे अर्थतन्त्रके पूर्ण वा आदर्श अवस्थाहे जनाइठ । अथवा कहि यिहिनसे दिगो वृद्धि ओ पूर्ण रोजगारीसमेतमे स्थिरता रहल उतारचढाव रहित अवस्थाके संकेत करठ । यी अवस्थामे ना उच्च वृद्धि बा ना टे मन्दी । कौनो फेन उतार चढावसे बच्न अर्थतन्त्रसे स्थिर वृद्धि पछ्याइठ । यिहिनसे आर्थिक वृद्धि ओ मुद्रास्फीतिबिच सन्तुलन कायम करना प्रयास करठ । आर्थिक वृद्धि अति उच्च हुइ कलेसे पूर्वाधारसे नैधानठ ओ अर्थतन्त्र जोखिममे परठ ओ न्यून वृद्धि हुइ कलेसे मन्दी आइठ, मूल्य कलेक बह्रठ ओ कबुकाल स्टागफ्लेसनके अवस्था आइठ ।

मुद्रास्फीति सीमाभित्तर नैरहि कलेसे ओकर असर बहुपक्षीय रहठ, क्रयशक्ति ओ उपभोग घटाइठ, यिहिनसे उत्पादनमे प्रतिकूल प्रभाव परठ । यद्यपि सब मुद्रास्फीति खराब नैरहठ ओ मध्यमस्तरके मुद्रास्फीति आर्थिक वृद्धिके लाग स्वस्थकर रहठ । ओइसिन सन्तुलित वृद्धि उबेला हासिल करे सेक्जाइठ उबेला समष्टिगत आर्थिक स्थायित्व, उत्पादनमे आधारित लगानी ओ खर्च हुइना मेरिक करल प्रबन्ध, मूल्य स्थायित्व, सुदृढ वित्तीय क्षेत्र, सुशासित तथा पारदर्शी प्रबन्ध ओ प्रणाली तथा सरकार एवं नागरिकके बिच सघन विश्वासके अवस्था बनठ ।

तसर्थ सरकारसे आगामी आवके बजेट तर्जुमा कैके प्रस्तुत अर्थ दर्शनहे पछ्यइना उपयुक्त रहठ । उपयुक्त अर्थ दर्शनके आधारमे बजेट निर्माण करेबेर आवश्यकता ओ प्राथमिकताके पहिचान करना ओ लगानीके ढाँचा बनैना सहजिल रहठ, जहाँ लगानीके ढाँचा उपयुक्त बनठ बजेटके कार्यनीति तर्जुमा करना ओ स्रोतके विनियोजन सही ठाउँमे करनामे कौनो अप्ठेरो नैपरठ । अब्बे स्रोतमे चाप परटिरहल अवस्थामे स्रोतके व्यवस्थापनमे फेन सहजता आइठ, सार्जजनिक ऋणके भारहे फेन वाञ्छित सीमामे ढरे सेक्जाइ । यकर अर्थ हमार आके अर्थ-वित्त नीति मुद्रास्फीतिहे उछिन्ना ओ स्थायित्व हुइल आर्थिक वृद्धि हासिल करनाके केन्द्रीकृत हुइ परठ ।

साभारः गोरखापत्र दैनिकसे

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:

हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।

नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।

प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एम्बुलेन्स नम्बर
९८२४६८९६१७, ९८५८४२७०१८, ९८१४६०८०५६, ९८१४६८०००६८,९८१४६६०३८५
प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२१२९९,११०
ईप्रका अतरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०३०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लक्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९३०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८
बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैक०९१-५२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बग्लादेश बैक ०९१-५२१७८५
सिटिजन बैक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैक ०९१-५२४८५०
नेपाल इन्भेसमेन्ट बैक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२१६
सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०१
जिल्ला विकास .०९१-५३२५६०
नगरपालीका .०९१-५२१५२९
मालपोत.०९१-५२१२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२३४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६५५
अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अतरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०
दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२१२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२१११५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२
होटल
डिभोटी ०९१-५२३९१८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, विद्या०९१-५२३२७३
तरुण ०९१-५२४६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ज्ञानुप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७९९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२
शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३९९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९
राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२५१९५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२
एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

नेपालके खाद्य तथा जडीबुटी परीक्षणहे भारतमे मान्यता

काठमाडौं, २४ चैत । नेपालसे करना खाद्य वस्तु तथा जडीबुटी परीक्षणहे भारत पारस्परिक मान्यता डेले बा । यीआघे खाद्यवस्तुके गुणस्तर प्रमाणीकरणके लाग भारत जाइपरना बाध्यकारी अवस्था रहलमे आब अन्त्य हुइल बा ।

नेपालसे भारतमे निर्यात हुइना टमान खाद्यवस्तुके विश्लेषण गुणस्तर परीक्षण प्रमाणपत्रहे भारतसे मान्यता डेहलपाछे आब गुणस्तर परीक्षणके लाग भारत जाइपरना हुइल बा । यीआघे खाद्यवस्तुके गुणस्तर परीक्षण नेपालमे रलेसे फेन गुणस्तर परीक्षण प्रमाणपत्रहे भारत मान्यता डेहल नैरहे ।

भारतीय खाद्य सुरक्षा ओ गुणस्तर प्राधिकरण (फुड सेफ्टी एन्ड स्ट्यान्डर्स अर्थोरिटी अफ इन्डिया–एफएसएसएआई) तथा परीक्षण ओ क्यालिब्रेसन प्रयोगशालाके लाग राष्ट्रिय मान्यता बोर्ड (नेसनल एक्रिडिएटेसन बोर्ड फर टेस्टिङ एन्ड क्यालिब्रेसन ल्याबोटोरिज–एनएबिएल) नेपालके खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण विभागके राष्ट्रिय खाद्य तथा दाना सन्दर्भ प्रयोगशालाके खाद्य समूहके परीक्षण रिपोर्टहे हाले पारस्परिक मान्यता प्रदान करल खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण विभाग जनाइल बा ।

यी मान्यता नैहोके नेपाली उद्यमीसे चिया, कफी, अदुवा, अलैंची, मह, जुस, दुग्धजन्य पदार्थ, बोसो तथा तेल, तरकारी तथा फल, खाद्यान्न उत्पादन, पानीलगायतके पदार्थ निर्यात करेक लाग भारतके कोलकाता, बैंगलोर, नागपुर, मुम्बई, दिल्लीलगायतके स्थानमे जाइपरना अवस्था रहे । नेपालमे गुणस्तरके परीक्षण मान्यता पैलेसे फेन नेपाली उद्यमीसे सोझे भारत सामान निर्यात करे पैना हुइल हो । खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण विभागके महानिर्देशक सञ्जीवकुमार कर्ण भारतसे टमान मेरिक खाद्यवस्तु तथा जडीबुटीके गुणस्तर प्रमाणीकरणके मान्यता डेहल जानकारी डेलैं । आब उद्यमीहे विभाग अन्तर्गतके राष्ट्रिय खाद्य तथा दाना सन्दर्भ प्रयोगशालासे गुणस्तर परीक्षण प्रमाणपत्र वितरण करल बा । प्रमाणपत्रके आधारमे उद्यमीसे सोझे सामान निर्यात करे पाइल बा । "यिहिनसे निर्यात बहनाके साथे, भन्सारमे हुइना झन्झट फेन हटि," महानिर्देशक कर्ण कलैं, "उद्यमी व्यवसायीसे सामान निर्यात करनासे दुई हप्ताआगे व्यावसायिक योजना पेस करे परठ ।"

चामल, गहुँ, मकै, कोदो, चिया–कफी, मिल्क एन्ड डेरी प्रोडक्ट्स, हनि एन्ड स्विटनर्स, मिट प्रोडक्ट, स्पाइसेज, प्रोसेस्ड ड्रिकिङ वाटर ओ डायटरी सप्लिमेन्ट्सके करना गुणस्तरसम्बन्धी विश्लेषण परीक्षण रिपोर्टहे भारत मान्यता डेहल विभाग जनैले बा । उद्योगीहुके एक खाद्यवस्तुके परीक्षण करैना भारत जाके लम्मा समय ओ रकमसमेत खर्च हुइटि रहे ।

यी सुविधा उपलब्ध हुइलपाछे भारतमे कृषि उपज निर्यात करटि रहल निर्यातकर्ता खाद्य विभागके यी प्रयोगशालासे गुणस्तर प्रमाणीकरण करैना प्रमाणपत्र, निर्यातसम्बन्धी प्रमाणपत्र ओ वस्तुके ब्याच नम्बर प्रमाणपत्र लेके निर्यात करना सहज हुइ ।

भारतसे नेपालके प्रयोगशाला एनएफएफआरएलहे ६ सय ३० प्यारामिटरसमके गुणस्तर विश्लेषण परीक्षण प्रमाणपत्रहे मान्यता प्रदान करल हो । पहिले यी प्रयोगशालासँग खाद्य वस्तु २८४ प्यारामिटरमे परीक्षण करना किल क्षमता रहे । भारतके एफएसएसएआईके निर्देशन अनुसार एनएफएफआरएल ६३० प्यारामिटरसमके गुणस्तर परीक्षण करे सेक्ना क्षमता विस्तार करल विभाग जनैले बा ।

अन्तर्राष्ट्रिय

म्यानमारमे एक हप्तामे ८१ परकम्प

काडमाठौं, २४ चैत । म्यानमारमे एक हप्तामे २.८ से ७.५ म्याग्निच्युडके ८१ ठो परकम्प गैल म्यानमारके मौसम विज्ञान तथा जल विज्ञान विभाग जनैले बा । मार्च २८ के भूकम्पसे देशभरके भवन ओ पूर्वाधार ध्वस्त परले बा ।

यकर परिणामस्वरूप तीन हजार तीन सय ५४ जहनके मृत्यु ओ चार हजार पाँच सय आठ जाने घाहिल हुइल तथा दुई सय २० जाने बेपत्ता हुइल सरकारी मिडियासे प्रकाशित करल नयाँ तथ्यांक जनैले बा ।

विपद् हुइल एक हप्तासे ढेर समयपाछे फेन देशके टमान मनै अभिन आश्रयविहीन बटैं, या टे ओइनके घर नष्ट हुइल कारण या थप भस्कना डरसे बाहेर सुत्न बाध्य बटैं ।

संयुक्त राष्ट्रसंघके एक अनुमानअनुसार ७.७ म्याग्निच्युडके भूकम्पसे ३० लाखसे ढेर मनै प्रभावित हुइ सेक्टैं । यिहिनसे चार वर्षके गृहयुद्धसे निम्त्याइल आघेक चुनौतीहे थप जटिल बनैले बा ।

संयुक्त राष्ट्रसंघके शीर्ष सहायता अधिकारी शनिच्चरके रोज मध्य म्यानमारमे को मण्डाले सहरमे पीडितहुकनसँग भेट करले बटैं । मण्डाले भूकम्पके केन्द्र लग्गेक सहर हो ओ यहाँक भौतिक संरचनामे व्यापक क्षति हुइल बा ।

टीकापुरमे २ जहनके घरमे आगलागी

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २४ गते । कैलालीके टीकापुरमे दुई जहनके घरमे आगलागी हुइल बा । टीकापुर नगरपालिका–८, कर्मिडाँडाके अमन विकके एक कोठे भान्सा कोठामे अचानक विद्युत् सर्ट होके आगलागी हुइल प्रहरीले जनैले बा । उ आगलागीसे विकके घरभित्तर रहल सब सामान जरके करिब एक लाख १५ हजार बराबरके क्षति हुइल जनाइल बा । अस्टेक, टीकापुर नगरपालिका–६, पानीमुलाके महा लुहारके २ कोठे कच्चि भान्सा कोठामे बारल आगोसे आगलागी होके घरभित्तर रहल सब सामान जरके दुई लाख ५० हजार बराबरके क्षति हुइल इलाका प्रहरी कार्यालय टीकापुर जनैले बा ।

'अर्थतन्त्र बलगर बनैना गाँजा खेती उपयुक्त'

काठमाडौं, २४ चैत । अर्थतन्त्र बलगर बनैना ओ व्यापार घाटा कम करना गाँजा खेती उपयुक्त माध्यम रहल सरोकारवाला बटैले बटैं ।

साप नेपालसे राजधानीमे आयोजना करल 'नेपालमे गाँजा खेतीके कानुनी प्रावधान तथा औद्योगिक ओ औषधिजन्य सम्भावना' विषयक अन्तर्क्रिया कार्यक्रममे वक्ताहुके गाँजा खेतीके उपयोगिता ओ अर्थतन्त्रमे डेहे सेक्ना योगदानहे मध्यनजर करटि सरकार गाँजा खेती नीति, नियमके मातहतमे वैधानिकता डेहेपरना बटैलैं ।

नेपालके टमान भागमे अभिन फेन अवैध रूपमे औषधीय प्रयोजनके लाग गाँजा प्रयोग हुइना करल कटि यिहिनहे कानुनी दायरामे नान्के व्यावसायिक खेती कैके आर्थिक लाभ लेहेपरनामे उहाँहुकनके जोड रहे ।

अन्तर्राष्ट्रिय जगत्मे 'ग्रिन गोल्ड' के नामसे चर्चित गाँजाके खेती नेपालके आर्थिक समृद्धिके लाग फेन सम्भाव्यता खोजेपरना उहाँहुकनके कहाइ रहे ।

कार्यक्रममे पूर्वकानुनमन्त्री शेरबहादुर तामाङ नेपालके आर्थिक समृद्धिके लाग गाँजा महत्वपूर्ण रहल कटि यिहिनहे वैधानिकता डेके निश्चत क्षेत्र तोकके खेती करेपरना सुझैलैं । उहाँ स्थानीय सरकारके नियन्त्रण ओ नियमनमे रहना मेरिक स्थानीय कृषकहुकनके अगुवाइमे यकर खेती करना मेरिक आवश्यक नीतिगत तथा कानुनी व्यवस्था करेपरना बटैलैं । साप नेपालके कार्यकारी निर्देशक नरेन्द्र जोशी मुलुकके समृद्धिसँग जोरके गाँजा खेतीके सम्भाव्यता अध्ययन जरुरी रहल औंल्याइलैं ।

सरकारसे चालु आवके बजेट वक्तव्यमे औषधीय प्रयोजनके लाग गाँजा खेतीके सम्भाव्यता अध्ययन करना घोषणा फेन करल बा । अल्लो तथा हृयाम्प एसोसियसनके अध्यक्ष गणेश एडीसे हाल विश्व बजारमे भाँङ तथा अल्लोके पोसाक तथा सामग्रीके माग बहल ओरसे सरकार यिहिनहे वैधानिकता डेहल खण्डमे खबौं राजस्व संकलन हुइनाके साथे रोजगारीके अवसर सिर्जना हुइना बटैलैं । नेपाल फर्म व्यवसायी संघके अध्यक्ष ऋगेन्द्र गिरी नेपालीहुक्रे अभिन फेन गाँजा, भाङके महत्व बुझे नैसेकल ओरसे गरिब हुइल बटैलैं । गाँजाहे पुनः वैधानिकता डेलेसे अर्थतन्त्रमे सुधार अइना उहाँ बटैलैं ।

कार्यक्रममे साप नेपालके अध्यक्ष गीता भट्टराई, कार्यक्रम संयोजक जनक कार्की, साप नेपालके अनुसन्धानकर्ता सन्तोष भण्डारीलगायतसे गाँजा खेतीहे सहज करना कानुन बनाके उत्पादन करना हो कलेसे नेपालके अर्थतन्त्र वृद्धि करना भारी टेवा पुग्ना धारणा ढरले रहैं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १७,३००।– अनिवार्य रुपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैंगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैंगिक हिंसाको अन्त्य गरौं ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौं व्यवसायजन्य रोग लाग्नबाट बचौं ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय
धनगढी, कैलाली

Advanced Healthcare for all...
NISARGA
Hospital & Research Center Pvt. Ltd.

सिनियर न्युरोलोजिष्टद्वारा
प्यारालाईसिस, मृगी र टाउको सम्बन्धी समस्याको उपचार

चेक जाँच हुने समस्याहरू
- ★ प्यारालाईसिस भएका बिरामी
- ★ हात खुट्टा काप्ने वा झमझम गर्ने
- ★ मृगी छारे रोगको समस्या भएको बिरामी
- ★ टाउको दुख्ने समस्या भएका बिरामी
- ★ Parkinson रोग वा Movement Disorder
- ★ चक्कर लाग्ने समस्या
- ★ बिर्सिने समस्या

डा. सुमन भट्टराई
MBS, MD (Neurology)
National Neuro Center
NMC. 6969
सिनियर न्युरोलोजिष्ट

डाक्टर आउने मिति
चैत्र ३० गते, शनिवार
आफ्नो नाम दर्ता गरी दुक्क हुनुहोस् ।

हसनपुर, धनगढी–५, कैलाली, नेपाल
091-527000/01/02, 9865680100
nisargahospitalnepal@gmail.com /nisargahospitalnepal

DONATE SAVE LIFE
24 HRS PATHOLOGY LAB
२४ै घण्टा आकस्मिक सेवा

साझेदारी वन कार्यान्वयनपाछे स्थानीयहे रोजगारी

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २४ चैत । गौरीगंगा नगरपालिका–९ के आइते भुल सक्करही कामके लाग घरसे निकरठै । ज्यालादारी कैके जीविकोपार्जन कैना उहाँहि अचेल खाली हात बैठे परल नैहो । गौरीगंगा साझेदारी बन्वामे काम पाइलपाछे भुल काम कैनामे व्यस्त रहठै ।

उहाँ कहलै, "एक अँठ्वारसे ढेर हुइल बा काठीपाटा कट्ना काम पैले बाटु, दैनिक रु एक हजार आम्दानी हुइटी रहल बा ।"

घोडाघोडी–८ के रजुल चौधरी फेन आजकाल साझेदारी बन्वाके काममे व्यस्त बाटै । "खाली बैठल रहुँ, अब्बे काठीपाटा कट्ना काम कैटी रहल बाटुँ", उहाँ कहली ।

आइते ओ रजुलजस्टे गौरीगंगा साझेदारी बन्वासे ८० जानेसे ढेर रोजगारी पैले बाटै । कठ्वा कटुइया दैनिक रु एक हजार आम्दानी कैटी रहल बाटै । गौरीगंगा–१० के सागर धामी कहलै, "मासिक तलबमे काम करलेसे फेन साझेदारी बन्वाके काम सुरु हुइलपाछे दैनिक रु एक हजारसे रु एक हजार ५०० सम तलबबाहेक आम्दानी करटी रहल बाटुँ ।"

दिगो वन व्यवस्थापन कैके राष्ट्रिय तथा स्थानीय अर्थतन्त्रमे टेवा

पुगैना ओ वन पैदावार आपूर्ति कैना उद्देश्यसे २०७८ सालमे उक्त बन्वाके कार्ययोजना स्वीकृत हुइल रहे । उहे अनुरूप साझेदार पक्ष तथा सरोकारवालाके सहभागितामे २०७९ सालमे समूह गठन हुइल रहे । मने आन्तरिक विवादके कारण साझेदारी वन कार्यान्वयनमे आइ सेकल नैरहे ।

साझेदारी वन कार्यान्वयनमे आइलपाछे दुई बरससे तलब नैपाइल वन हेरालु फेन तलब मिली कहिके खुसी बाटै । वन हेरालु करणसिं साउद कहलै, "तलब नैपाके एकदमे समस्या भोगे परल रहे । अब्बे दुई बच्चाहे मजासे स्कुलमे पह्रैटी रहल बाटुँ ।" आब भर साझेदारी बन्वाके काम सुरु हुइल ओरसे पारिश्रमिक पैना समस्या नैहुइल उहाँ बटैलै ।

औरे वन हेरालु सनम चौधरी फेन पारिश्रमिक पैनामे खुसी बाटै । "साझेदारी वन गठन हुइल सुरुक बरस पारिश्रमिक पैले रही । ओकरपाछे पारिश्रमिक पैना आशैआसमे दुई बरस बिटसेकल । उहीसे आघे विदेश जाऊँ कना सोचाइ आइल रहे", चौधरी कहलै– "घर लग्गे पाइल काम छोरे नैसेक्नु । आब भर मै खुसी बाटु ।"

साझेदारी बन्वामे नौ वन हेरालु, एक कार्यालय सचिव ओ एक कार्यालय सहयोगी रहल बाटै । साझेदारी वन कार्यान्वयनके लाग प्रयास नैहुइल फेन नैहो । आर्थिक बरस २०७९/८० मे ५६ हजार १९७ दशमलव ८३ घनफिट काठ र ५९ दशमलव ८२ चट्टा दाउरा सक्तलनके लाग छपान हुइल रहे । आव २०८०/८१ मे एक लाख २३ हजार ६६२ दशमलव ०३ घनफिट काठ ओ १०८ दशमलव ४७ चट्टा दाउरा सङ्लनके लाग छपान करल रहे । मने आन्तरिक विवादके कारण कार्यान्वयनमे भर आइ नैसेकल कार्यालय सचिव डिलबहादुर बोहरा बटैलै ।

सचिव बोहराके अनुसार विगतम काम नैरहलेसे फेन यी बेर भर सक्तलन सहमतिअनुसार ५४ हजार क्युफिट काठ ओ ४५ चट्टा दाउरा कटान होसेकल बावै । साझेदारी वन कार्यान्वयनमे नैआके सामान्य प्रशासनिक खर्च व्यवस्थापन कैना समस्या झेले परल बोहरा बटैलै । वडास्तरीय उपभोक्ता भेलासे सक्कु वर्गहे समेटके छनोट हुइल प्रत्येक वडाके सात–सात जाने, साझेदारी वन कार्यान्वयन क्षेत्रभिट्टर पर्ना प्रत्येक वडाके वडाध्यक्षसे टोकल वडा सदस्य एक, एक जाने गौरीगंगा ओ मोहोन्याल गाउँपालिकाके कार्यपालिकासे छनोट हुइल प्रतिनिधि सहित जम्मा ५० जाने उ वन उपभोक्ता समूहके सदस्य रहना विधानमे रहल बा ।

उक्त वन समूह गठन प्रक्रियाके बेला विवाद हुइल रहे । सुरुमे गठन हुइल समिति खारेज होके औरे समिति गठन करल रहे । अइसीक समूह गठन हुइबर आन्तरिक विवाद कायमे रहल रहे । समूहके सदस्यसचिवके विवादहे सुल्झैटी टमान राजनीतिक दल, सरोकारवाला निकायलगायतसँग छलफल कैके कार्यान्वयनमे लानल गौरीगंगा साझेदारी वन उपभोक्ता समितिके अध्यक्ष हिक्मत महता बटैलै ।

आगीसे जरके सरके जैना कठ्वाके सदुपयोग कैटी स्थानीय उपभोक्ताके आपूर्ति पुरा हुइना औरे सदस्य मोहन विक बटैलै । नगरपालिकाके ४, ५, ७, ८, ९ ओ मोहोन्याल गाउँपालिकाके पाँच नम्बर वडाहे समेटके गौरीगंगा साझेदारी वन बनाइल हो । तीन हजार २० दशमलव ४६ हेक्टर क्षेत्रफल रहल साझेदारी बन्वाके छ हजार तीन सय २६ घरधुरी उपभोक्ता रहल बाटै ।

किसानके घरदैलोमे कृषि मन्त्री

बैतडी, २४ चैत । कृषि अनुदान दुरुपयोग हुइ लागलपाछे सुदूरपश्चिम प्रदेशके भूमि व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्री वीरबहादुर थापा किसानके दैलोमे पुगके गुनासो सुले लागल बाटै ।

बिफेक रोज बैतडी पुगल कृषि मन्त्री थापा स्थानीय तहके जनप्रतिनिधि ओ अगुवा किसानसँग भेटघाट तथा छलफल करले बाटै ।

भ्रमणके क्रममे उहाँ बैतडी सदरमुकामस्थित जगन्नाथ तरकारी सक्तन केन्द्रके अवलोकन करल रहिट । साथे उहाँ देहिमाडौंके किसानहे दुग्ध व्यवसाय कैना फ्रिज लगायतके उपकरण वितरण ओ ग्वाल्लेकमे बाख्रा फार्मके अवलोकनसमेत करल रहिट ।

मन्त्रालयसे प्रदेशके टमान जिल्लामे वार्षिक दुई अर्ब ९१ करोड रुपियाँ बजेट खर्च करटी रहलेसे फेन खाद्यान्न, तरकारी, फलफूल, अण्डा ओ मासुमे आत्मनिर्भर बने नैसेकल मन्त्री थापा बटैलै । उहाँ कृषि अनुदान दुरुपयोग हुइ लागलपाछे आगामी बरससे अनुदान शून्य पारके किसानहे ब्याजमे अनुदान डेना नीति बनैना स्पष्ट पारल रटि । उहाँ प्रदेशके पहाडी जिल्लाके कृषि ओ पशु पालनके अवस्था अवलोकन हुइटी रहल बटैलै ।

उहाँ कहलै, "अनुदानके नाउँमे काम नैकैके पैसा खैना प्रवृत्ति बहल । आब अनुदान नैडेके, किसानहे ब्याजमे अनुदान डेना तयारी हुइटी रहल बा ।"

प्रदेश सरकारसे यी बरस बैतडीमे भैंसी प्रवर्धनके लाग ५० लाख रुपियाँके कार्यक्रम अइलेसे फेन बिचौलियाके कारण कार्यक्रम सञ्चालन कैना कठिनाइ हुइटी रहल भेटेरीनरी अस्पताल तथा पशु सेवा विज्ञ केन्द्र बैतडीके कार्यालय प्रमखु गुमानीदत्त पन्त गुनासो राखल रहिट । बैतडी जिल्ला मासुमे आत्मनिर्भर रहलेसे फेन अण्डा भर बाहर जिल्लासे आयात हुइना करल बा । यी बरस पशुपालनके लाग बैतडीमे आठ करोड ५६ लाख रुपियाँ खर्च हुइटी आइल बा ।

भेटेरीनरी अस्पताल तथा पशु सेवा विज्ञ केन्द्रके तथ्याक्त अनुसार एक लख २४ हजार गाई/गोरु, ५४ हजार राँगा/भैंसी, एक लाख ३६ हजार बोका/बाखा, ६२ हजार स्थानीय जातके ओ ४७ हजार उन्नत कुखुरा रहल बाटै । यद्यपि प्रतिव्यक्तिहे वार्षिक ६१ ठो अण्डा आवश्यक रलेसे फेन प्रतिव्यक्ति एक अण्डा किल उपलब्ध रहल तथ्यांक रहल बा ।

ओस्टके कृषि ज्ञान केन्द्रसे यी बरस नौ करोड २५ लाख रुपियाँ खर्च हुइना कार्यालय प्रमुख हरिदत्त जोशी जानकारी डेलै । उहाँ कृषिके स्पष्ट तथ्याक्त नैरहल ओरसे काम कैना कठिनाइ हुइटी रहल गुनासो करल रहिट । जिल्लामे खाद्यान्न अपुग हुइना रलेसे फेन खोड्पे, देहिमाडौं ओ डिलासैनीके गन्ना क्षेत्र आलुमे आत्मनिर्भर रहल उहाँ बटैलै ।

बैतडीके कुल क्षेत्रफल एक लाख ४५ हजार ११३ हेक्टर क्षेत्रफलमध्ये ३१ हजार ४८५ हेक्र क्षेत्रफल (२१.६९ प्रतिशत) किल खेतीयोग्य जमिन रहल बा । खेतीयोग्य जमिनमध्ये ५१ प्रतिशतमे किल सिँचाइ सुविधा बा । ८८ प्रतिश जनसंख्या खेतीमे निर्भर रलेसे फेन बैतडीमे वार्षिक १६ हजार मेट्रिकटन खाद्यान्न अपुग हुइना करल बा ।

घोडाघोडी क्याम्पसमे अनेरास्ववियुके गौतम विजयी

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २४ चैत । कैलालीके घोडाघोडी बहुमुखी क्याम्पसके स्वतन्त्र विद्यार्थी युनियनमे अनेरास्ववियुके अशोक गौतम विजयी हुइल बावै ।

शनिच्चरके हुइल मतदानके अट्वाके आइल नतिजाअनुसार अनेरास्ववियुके गौतम विजयी हुइल हुइट । कुल एक हजार ६९१ जाने मतदाता रहल यी क्याम्पसमे गौतम ६७० मत लानके पहिलचो अनेरास्ववियुहे जित डेहुवाइल हुइट ।

ओहकान निकटतम् प्रतिद्वन्द्वी अखिल क्रान्तिकारीके गणेश भण्डारी ४२८ मत लन्ले बाटै । सचिवमे नेविसंघके प्रविण भण्डारी ५५५ मतसहित विजयी हुइल बाटै । उहकीनसे नेकपा एकीकृत समाजवादीनिकट अनेरास्ववियूके भुवनराज जैसी ४९० मत लानके पराजित हुइल बाटै ।

कोषाध्यक्षमे अनेरास्ववियुके सञ्जीवकुमार चौधरी ५६९ मतसहित विजयी हुइल बाटै कलेसे अखिल क्रान्तिकारीके यालिशा कुमारी कुँवर ४१६ मतसहित पराजि हुइल बाटी । यी क्याम्पसमे विगतमे अखिल क्रान्तिकारी स्ववियुमे जित निकर्ना करल रहे । उक्त क्याम्पसमे यी बेर संयुक्त प्यानलबीच कडा प्रतिस्पर्धा डेखल रहे ।

यहाँ अखिल क्रान्तिकारीके गणेश भण्डारी अध्यक्ष रहल प्यानल अन्य तीन संगठनहे समेटके संयुक्त प्यानल बनाइल रहे । नेपाल विद्यार्थी संघ सहितके संयुक्त प्यानलसे अनेरास्ववियुके अशोक गौतम अध्यक्षमे रहिट । उहोर अनेरास्ववियूके यामबहादुर खत्रीके छुट्टे प्यानल रहे ।

स्वस्तिकसे क्याथ...

ओस्टके टमान विश्वविद्यालय एवम प्राविधिक शिक्षा तथा व्यावसायिक तालिम परिषद् (सीटीईभीटी)से सम्बन्धन लेके आगामी शैक्षिक सत्रसे नर्सिङ तथा अन्य मेडिकल कोर्सके पढाइ समेत कैना उहाँ बटैलै । अस्पतालहे वृहत् स्वास्थ्य उपचार ओ चिकित्सा शिक्षाके केन्द्रके रूपमे विकास कैटी लैजैना योजना अनुसार निकट भविष्यमे आमा सुरक्षा कार्यक्रम, निःशुल्क विमा कार्यक्रम, नागरिक लगानी कोष ओ सामाजिक सुरक्षा कोषमे आबद्ध व्यक्तिहुक्नके लाग विशेष सुविधा सहितके योजना लागु कैना उहाँ जानकारी डेलै ।

अस्पतालसे सामाजिक उत्तरदायित्वअन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रमे विज्ञ चिकित्सक सहितके टीमसे विगतमे सञ्चालन कैटी आइल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरहे परिस्कृत कैके थप प्रभावकारी बनैना योजना बनाइल उहाँ बटैलै । अस्पतालमे आइल विरामीके रोग पहिचान, उपचार, औषाधी ओ नियमित चेकजाँचहे सहूलियतपूर्ण बनैटी विरामी, डाक्टर ओ अस्पतालके सम्बन्धहे सुमधुर बनैना प्रतिबद्ध रहल अध्यक्ष तिवारी जानकारी डेलै । आधारभूत विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाके लाग भारतओर जाइ पर्ना बाध्यताके अन्त्यके लाग स्वस्तिक अस्पतालके सेवासे योगदान कैना अध्यक्ष तिवारी विश्वास व्यक्त करलै ।

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

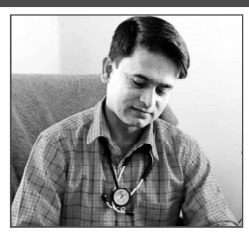

डा. संजयकुमार गुप्ता

एम.बि.बि.एस., एम.डि. (टि.यु.)

इन्टरनल मेडिसिन वरिष्ठ कन्सल्टेन्ट फिजिसियन (पेट, छाती, मुटु, कलेजो, मधुमेह (सुगर), प्रेसर, तथा थाईराईड रोग विशेषज्ञ

एन.एम.सी. नं.–१०५६४

डाक्टरद्वारा दिइने स्वास्थ्य सेवाहरू

- मुटु दुखेको, मुटु भारी जस्तो भएको, मुटुको धड्कन बढेको ।
- सास लिन गाह्रो हुने, छाती दुख्ने, रूघाखोकी लागेको, खकारबाट रगत देखिने, लामो समयदेखि दमको समस्या भएको ।
- पेट दुख्ने, कोखा दुख्ने, मुखबाट रगत बग्ने ।
- अमिलो पानी आउने, ढ्याउ-ढ्याउ आउने, उल्टी हुने, पेट फुलेर खान मन नलाग्ने ।
- पिसाब पोल्ने, रातो पिसाब आउने, कम पिसाब हुने, पिसाब बन्द हुने, राति धेरै पटक पिसाब हुने, खुट्टा सुन्निने, पहेंलो पिसाब हुने)
- पेट फुल्ने, हात खुट्टा सुन्निने, पेटमा पानी जम्ने, जण्डिस हुने, खाना नरूच्ने, दम हुने ।
- धेरै मोटो हुने, निन्द्रा धेरै लाग्ने, मुटुको धडकन बढ्ने, आँखा बाहिर आउने, मान्छे एकदम पातलो हुने ।
- टाउको दुख्ने, चक्कर लाग्ने, हिँड्दाखेरि लडिबुडी हुने, निन्द्रा नलाग्ने, हिँड्दा खेरि दम हुने ।
- धेरै तिर्खा लाग्ने, धेरै पिसाब हुने, धेरै खान मन लाग्ने, हातखुट्टा झम-झम गर्ने ।
- सुगर, प्रेसर, थाइराइड रोगको उपचार तथा परामर्श ।
- ज्वरो सम्बन्धी सम्पूर्ण रोगको उपचार ।
- शरीरमा रगत कम हुने, अल्छी लाग्ने, शरीर सुनिने, थाकने ।
- बाथ रोग सम्बन्धी उपचार तथा परामर्श ।

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

***हाम्रा सेवाहरू** : १) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (ब्राँक्होपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।*

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली

फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९